

of Rs. 5:55 lakhs are proposed to be constructed.

(c) Construction of 12 units type II quarters is in progress and the remaining units will be taken up in 1963-64.

Tuticorin Port

939. **Shri Umanath:** Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state:

(a) the progress of work of converting Tuticorin into a major port; and

(b) the details of the project?

The Minister of Shipping in the Ministry of Transport and Communications (Shri Raj Bahadur): (a) and (b). A Field Division under an Executive Engineer was created in May, 1962 to carry out detailed investigations.

The Field Division has completed 20 borings in the deep sea and soundings in the areas where the basin is proposed. The samples of the soils taken from these borings were analysed at the Soil Mechanics Laboratory of the Madras State P.W.D. The analysis revealed that the sea bed is rocky with very little sand over it.

The land survey of the proposed Port area has been completed by the Survey of India. The Minor Ports Survey Organisation of the Government of India has commenced the hydrographic surveys. The railways have just completed the survey for the rail connection to the Port area.

The quarry sites have been finalised. The construction of leading roads from quarries to the existing roads will be taken up shortly. The question of water and electric supply has been discussed with the State Government and the electric supply corporation and the arrangements are being finalised.

The layout plans have been prepared and this will be examined

shortly by a Technical Committee which has been specially set up.

राजस्थान में राष्ट्रीय राजपथ

६४०. { श्री प० ला० बारूपाल :
श्री बास्मोकी :

क्या परिवहन तथा संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत सरकार को यह मालूम है कि राजस्थान-पाक सीमावर्ती क्षेत्र में राष्ट्रीय राजपथों का बहुत अभाव है ;

(ख) क्या भारत-पाक संबंधों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार इस क्षेत्र में राष्ट्रीय राजपथ बनाने का कार्य आरम्भ करेगी ; और

(ग) यदि हां, तो यह कार्य कब तक आरम्भ होने की सम्भावना है ?

परिवहन तथा संचार मंत्रालय में नौ-वहन मंत्री (श्री राज बहादुर) : (क) से (ग). प्राजकल राष्ट्रीय राजपथ नं० ३, ८, और ११ राजस्थान हो कर गुजरते हैं, और राजस्थान में इन की पूरी लंबाई ७८२ मील होती है। अभी हाल ही में राष्ट्रीय राजपथ नं० ११ को राष्ट्रीय राजपथ योजना में सम्मिलित किया गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग देश के मुख्य मार्ग हैं और यह जरूरी नहीं है कि वे देश की सीमाओं के बराबर बराबर चलें। फिलहाल राजस्थान के सीमान्त क्षेत्र में किसी राष्ट्रीय राजपथ के निर्माण का कोई प्रस्ताव नहीं है।

चित्तरंजन रेलवे इंजन

६४१. श्री बेरवा कोटा : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में निर्मित चित्तरंजन रेलवे इंजन की लागत क्या है ;

(ख) क्या यह इंजन माल गाड़ी भी ले जा सकेगा ; और

(ग) क्या इस इंजन पर दूसरे इंजनों की अपेक्षा कोयले का खर्च ज्यादा होता है ?

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) १९६२ में चित्तूरंजन में बनाये गये डब्ल्यू० जी० श्रेणी के एक रेल इंजन की लागत ४.२५ लाख रुपये आई ।

(ख) जी हां । डब्ल्यू० जी० श्रेणी का रेल इंजन भारत में बड़ी लाइन की मालगाड़ियों के लिए मानक भाप रेल इंजन है ।

(ग) चित्तूरंजन में बनाये गये डब्ल्यू० जी० रेल इंजन में कोयले की जितनी खपत होती है समान काम के लिए, उस की दर इसी प्रकार के विदेशी रेल-इंजनों और दूसरी श्रेणियों के रेल इंजनों की तुलना में कम है ।

इंचन ड्राइवरों के शिक्षण के लिये स्कूल

१४२. श्री बेरवा-कोटा : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने रेल दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ड्राइवरों को ट्रेनिंग देने के लिये कोई स्कूल खोला है ;

(ख) यदि हां, तो १९६२ में उस में कितने ड्राइवरों को ट्रेनिंग दी गई ; और

(ग) वह स्कूल कहां खोला गया है ?

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) रेल दुर्घटनाओं को रोकने के विचार से इंजन ड्राइवरों के प्रशिक्षण के लिए कोई विशेष स्कूल नहीं खोले गये । लेकिन हर रेलवे में क्षेत्रीय प्रशिक्षण स्कूलों में ड्राइवरों के प्रशिक्षण की व्यवस्था है । इस के अलावा ड्राइवरों के प्रशिक्षण और विशेष रूप से उन में सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए पश्चिम रेलवे ने सुरक्षा कैम्प भी रूनाये । इसी तरह की योजना चलाने के लिए दूसरी रेलों को भी हिदायत दी गई है ।

(ख) पश्चिम रेलवे के सुरक्षा कैम्पों और दूसरी रेलों के प्रशिक्षण स्कूलों में १९६२ में १४२८ ड्राइवरों को प्रशिक्षण दिया गया ।

(ग) बलसार, कोटा, अजमेर, राजकोट, बेंगलूर सिटी, अलिपुरदुआर, जं० खड़गपुर, जमालपुर, गोरखपुर, गाज़ियाबाद, कल्याण, कुर्ना, भुसावल, अजनी, धामी, जबलपुर, घोंड और लालागुडा ।

Cochin Harbour-Coimbatore Railway Track

943. Shri A. K. Gopalan: Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether Government have any proposal under consideration for doubling the railway track between Cochin Harbour and Coimbatore; and

(b) if so, the details thereof?

The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri S. V. Ramaswamy): (a) No.

(b) Does not arise.

Afforestation in Catchment Areas

944. Shri Hem Raj: Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) the amount of loans and grants given to the Punjab Government for the expansion of afforestation in the Catchment areas of Pong Dam and Bhakra Dam in 1962-63; and

(b) the amount utilised by them?

The Minister of State in the Ministry of Food and Agriculture (Dr. Ram Subhag Singh): (a) and (b). The information is being obtained from the State Government and will be placed on the Table of the Sabha on receipt.

Minor Irrigation in Punjab

945. Shri Hem Raj: Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) the amount of loans and grants given to the Punjab Government for the expansion of minor irrigation in the Punjab Hills during 1962-63; and

(b) the amount utilised by them?